

न्यायालय भू अभिलेख अधिकारी (एस.डी.ओ.) बालोतरा
पीठासीन अधिकारी : श्री नरेश सोनी, आर.ए.एस

राजस्व आवेदन न० 134/2019

प्रार्थीगण :-

राजस्थान सरकार जरिये भूमिधारक तहसीलदार पचपदरा

बनाम

विप्रार्थीगण :-

1. देवाराम पुत्र मोडाराम
 2. भीमाराम पुत्र पुरखाराम
 3. गुलाराम पुत्र लिखमाराम
 4. नेनाराम पुत्र पदमाराम
 5. सुजाराम पुत्र पदमाराम
 6. फूलीदेवी पत्नि पदमाराम
 7. बुधाराम पुत्र मोतीराम
 8. फताराम पुत्र खेराजराम
 9. हनुमानराम पुत्र खेराजराम
 10. जयपालराम पुत्र खेराजराम
 11. गीतादेवी पुत्री खेराजराम
 12. करनाराम पुत्र चिमनाराम
 13. श्रवणराम पुत्र उदाराम
 14. मु० लूणीदेवी बेवा उदाराम
- जाति जाट निवासी भगाणियों की ढाणी
तहसील पचपदरा जिला बाडमेर (राज)

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 131, 136 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 वास्ते रेकर्ड
दुरुस्ती करने बाबत

उपस्थिति:- 1. राजकीय पेरोकार तहसीलदार, पचपदरा



निर्णय

दिनांक :- 18.06.2021

प्रार्थी राजस्थान राज्य की ओर से तहसीलदार, पचपदरा के द्वारा प्रार्थना-पत्र पेश कर निवेदन किया गया कि अन्तर्गत धारा 131, 136 भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत पेश कर संक्षिप्त रूप से जाहिर किया कि तहसील पचपदरा को डी आई एल आर एल पी योजनान्तर्गत अतिशीघ्र ऑनलाईन कर सभी सुविधाएँ ऑनलाईन उपलब्ध करवाने के प्रयास राज्य सरकार के द्वारा किये जा रहे हैं। ऑनलाईन तहसील होने के पश्चात् काश्तकारों को सीधे ही ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ई-मित्र कियोस्क पर समस्त रेकर्ड एवं नक्शों ऑनलाईन सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपलब्ध हो सकेंगे। काश्तकारों को अधिक से अधिक सुविधा मिलेगी तथा उनका समय एवं धन भी तहसील पचपदरा के सरहद मौजा भगवाणियों की ढाणी में मूल खेत खसरा संख्या 33

उप सहायक अधिकारी
(S.D.O.) बालोतरा

की तरमीम बट्टा नम्बर के अनुसार राजस्व रेकॉर्ड में किया जाना सम्भव नहीं होने से विभाजित खसरों का मूल खसरा में एकीकरण किया जाकर इस्तदुआ के अनुसार दुरुस्ती किया जाना न्याय संगत है।

अन्त में निवेदन किया गया कि विप्रार्थीगण के मूल खसरे के अनुसार एकीकरण करने का निवेदन किया गया। यदि किसी पक्षकार का हित प्रभावित होगा तो वह सक्षम न्यायालय में चाराजोही कर सकता है।

इस न्यायालय के द्वारा दिनांक 09.01.2020 को प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र को खारिज किया गया, प्रार्थी राजस्थान राज्य की ओर से तहसीलदार पत्रपदरा के द्वारा दिनांक 15.02.2021 को प्रार्थना-पत्र पेश कर निवेदन किया गया कि प्रार्थी को सुने बिना दिनांक 09.01.2020 को पारित एकपक्षीय आदेश को अपास्त कर पुन बरामद करने का निवेदन किया गया। प्रार्थी को सुना जाकर दिनांक 15.02.2021 को इस न्यायालय के द्वारा दिनांक 09.01.2020 को पारित आदेश को अपास्त कर आवेदन पत्र पुनः बरामद किया गया।

विप्रार्थीगण को नोटिस जारी किये गये विप्रार्थी संख्या 2,3,4,6 ता 8, एवं 11 की ओर से वकील श्री चेलाराम कुमावत वकालतनामा पेश कर उपस्थित हुए एवं विप्रार्थी संख्या 12 ता 14 की ओर से वकील श्री जेटूलाल कुमावत ने वकालत नामा पेश कर उपस्थित हुए शेष विप्रार्थीगण 1, 5, 9, एवं 10 बावजूद सूचना अनुपस्थित रहने पर एक तरफा कार्यवाही की जाती है। विप्रार्थी संख्या 2,3,4,6 ता 8, एवं 11 एवं विप्रार्थी संख्या 12 ता 14 की ओर से इस प्रकरण में विप्रार्थीगण को जवाब प्रस्तुत करने के पर्याप्त अवसर प्रादन किये गये बावजूद अवसर कोई जवाब पेश नहीं किया गया ऐसी स्थिति में जवाब प्रस्तुत करने का अवसर बन्द कर एक तरफा कार्यवाही की गई।

पेरोकार सरकार की बहस को सुना गया प्रार्थी ने बहस के दौरान निवेदन किया गया कि मौजा भगवाणियों की ढाणी में मूल खेत खसरा संख्या 33 की तरमीम बट्टा नम्बर के अनुसार राजस्व रेकॉर्ड में पटवारी हल्का, मू-अमिलेख निरीक्षक एवं तहसीलदार की रिपोर्ट के अनुसार तरमीम किया जाना सम्भव नहीं होने से विभाजित खसरों का मूल खसरा में एकीकरण किया जाकर इस्तदुआ के अनुसार दुरुस्ती किया जाना न्याय संगत है। जिनके नये खसरे विभाजित किये हुए हैं, नये विभाजित किये गये खसरों की तरमीम संबंधित खातेदार के माफिक कब्जे काश्त के अनुसार मौके पर नहीं की गई है। विप्रार्थीगण के कब्जे काश्त के अनुसार की गई तरमीमों का मौके पर मिलान नहीं हो रहा है, ऐसीस्थिति में उपरोक्त खसरों से विभाजित किये गये खसरों का एकीकरण पूर्व की स्थिति के अनुसार करने का निवेदन किया गया। पत्रावली का गौर से अवलोकन किया गया। पत्रावली में संलग्न दस्तावेजात प्रमाणित प्रतिलिपि की समाबंदी संवत् 2070-73 मय नक्शा लट्टा ट्रेस एवं परिशिष्ट 'अ' के अनुसार मौजा भगवाणियों की ढाणी में मूल खेत खसरा संख्या 33 की तरमीम बट्टा नम्बर के अनुसार राजस्व रेकॉर्ड में किया जाना सम्भव नहीं होने से मौजा भगवाणियों की ढाणी में मूल खेत खसरा संख्या 33 की तरमीम बट्टा नम्बर के अनुसार राजस्व रेकॉर्ड में किया जाना सम्भव नहीं होने से विभाजित खसरों का मूल खसरा में एकीकरण किया जाकर इस्तदुआ के अनुसार दुरुस्ती किया जाना न्याय संगत है। जिनके नये खसरे विभाजित किये हुए हैं, नये विभाजित किये गये खसरों की तरमीम संबंधित खातेदार के माफिक कब्जे काश्त के अनुसार मौके पर नहीं की गई है। विप्रार्थीगण के कब्जे काश्त के अनुसार की गई तरमीमों का मौके पर मिलान नहीं हो रहा है, ऐसीस्थिति विभाजित



उप अधीकारी
(S.D.O.) बालोतर

खसरां का मूल खसरा में एकीकरण किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। ऐसी स्थिति में प्रार्थीगण के आवेदन को स्वीकार करने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती है।

प्रार्थी के आवेदन को स्वीकार कर मौजा भगवाणियों की ढाणी में मूल खेत खसरा संख्या 33 की तरमीम बट्टा नम्बर के अनुसार राजस्व रेकॉर्ड में किया जाना सम्भव नहीं होने से विभाजित खसरां का मूल खसरा में एकीकरण करने हेतु प्रस्तावित परिशिष्ट अ के अनुसार राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज करने के तहसीलदार पंचपदरा को निर्देश प्रदान किये जाते हैं उपरोक्तानुसार राजस्व रेकॉर्ड में परिशिष्ट अ के मुताबिक अमलदरामद किया जावे। तहसीलदार पंचपदरा के द्वारा प्रस्तावित परिशिष्ट "अ" इस निर्णय के अभिन्न अंग होगा। इस निर्णय से यदि किसी पक्षकार का हित प्रभावित होगा तो वह सक्षम न्यायालय में चाराजोही कर सकता है।



निर्णय आज दिनांक 18.06.2021 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(निर्णय)
जिला अधिकारी
(S.D.O.) सोनपटना

जिला अधिकारी
(S.D.O.) सोनपटना